1. 'सिंध का नखलिस्तान / बाग' हड़प्पा सभ्यता के किस पुरास्थल को कहा गया?

A. हड़प्पा
B. मोहनजोदड़ो
C. कालीबंगा
D. लोथल

उत्तर- (B)

व्याख्या :- मोहनजोदड़ो को 'सिंध का बाग', 'मुर्दों का टीला' तथा 'नखलिस्तान' भी कहा जाता है।

2. 'हड़प्पा सभ्यता के सम्पूर्ण क्षेत्र का आकार किस प्रकार का था ?

A. वर्गाकार
B. आयताकार
C. त्रिभुजाकार
D. गोलाकार

उत्तर- (C)

व्याख्या :- इसका फैलाव उत्तर में मांडा में रावी नदी के तट से लेकर दक्षिण में दैमाबाद (महाराष्ट्र) तक और पश्चिम में बलूचिस्तान के मकरान समुद्र तट के सुत्कागेनडोर पाक के सिंध प्रांत से लेकर उत्तर पूर्व में आलमगिरपुर में हिरण्य तक मेरठ और कुरुक्षेत्र तक था। प्रारंभिक विस्तार जो प्राप्त था उसमें सम्पूर्ण क्षेत्र त्रिभुजाकार था (उत्तर में जम्मू के माण्डा से लेकर दक्षिण में गुजरात के भोगत्रार तक और पश्चिम में अफगानिस्तान के सुत्कागेनडोर से पूर्व में उत्तर प्रदेश के मेरठ तक था और इसका क्षेत्रफल 12,99,600 वर्ग किलोमीटर था।) इस तरह यह क्षेत्र आधुनिक पाकिस्तान से तो बड़ा है ही, प्राचीन मिस्र और मेसोपोटामिया से भी बड़ा है।

3. काष्ठ, अस्थि और शंख के पुरातत्वीय नमूनों का काल-निर्धारण करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा अपनाया जाता है?
[UPSC - 1993]

A. कार्बन - 14
B. ऑर्गन - 40 आइसोटोप
C. स्ट्रांशियम-90
D. युरेनियम - 238

उत्तर- (A)

व्याख्या :- काष्ठ, अस्थि, शंख तथा अन्य पुरातात्विक जीवाश्मों के काल निर्धारण या प्राचीनता का पता लगाने हेतु रेडियो एक्टिव समस्थानिक कार्बन-14 (C-14) का प्रयोग किया जाता है। पृथ्वी तथा पुरानी चट्टानों की आयु का पता लगाने हेतु युरेनियम-238 (U-238) रेडियोएक्टिव समस्थानिक का तथा कोबाल्ट - 60 (Co-60) का प्रयोग कैंसर के उपचार में किया जाता है।

4. कार्बन डेटिंग निम्न की आयु-निर्धारण हेतु प्रयुक्त होती है-
[Utt. PSC - 2008]

A. जीवाश्म
B. पौधे

ReadEx.com

C. चट्टाने
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (A)

व्याख्या :- कार्बन डेटिंग जीवाश्म की आयु-निर्धारण हेतु प्रयुक्त होती है।

5. प्रागैतिहास का अंत एवं इतिहास का आरंभ तब माना जाता है जब -

A. मानव ने चलना सीखा
B. मानव ने एक-दूसरे से बातचीत करना सीखा
C. मानव ने लिखना सीखा
D. मानव ने घर बनाकर रहना सीखा

उत्तर- (C)

व्याख्या :- प्रागैतिहास का अंत एवं इतिहास का आरंभ तब माना जाता है जब मानव ने लिखना सीखा।

6. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (स्थल)	**सूची-II (नदी)**
A. हड़प्पा	1. रावी
B. मोहनजोदड़ो	2. सिंधु
C. लोथल	3. भोगवा
D. कालीबंगा	4. घग्घर

A. A—1, B—2, C—3, D—4
B. A—2, B—1, C—4, D—3
C. A—4, B—3, C—2, D—1
D. A—1, B—2, C—4, D—3

उत्तर- (A)

व्याख्या :- हड़प्पा, रावी नदी के किनारे, जबकि मोहनजोदड़ों सिन्धु नदी के किनारे पर अवस्थित है। सिंधु घाटी सभ्यता का प्रमुख स्थल लोथल है जो कि वर्तमान गुजरात में स्थित है यह भोगवा नदी के किनारे स्थित है, साबरमती नदी का प्राचीन नाम भोगवा है। सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ ज़िले में घग्घर नदी के बाएं तट पर स्थित है।

7. हड़प्पा सभ्यता के अंतर्गत हल से जोते गये खेत का साक्ष्य कहाँ से मिला है?

A. रोपड़
B. लोथल
C. अणावली
D. कालीबंगा

ReadEsy.com

उत्तर- (D)

व्याख्या :- कालीबंगा में हवनकुंड तथा बलि प्रथा, जोते हुए खेल (हल के साक्ष्य), अलंकृत ईंट और भू-कम्पन के प्रमाण मिले हैं।

8. सैंधव सभ्यता की ईटों का अलंकरण किस स्थान से मिला है? *[RRB मुंबई TC 2005]*

A. कालीबंगा
B. चन्हूदड़ो
C. मोहनजोदड़ो
D. बणावली

उत्तर- (A)

व्याख्या :- कालीबंगन में हवनकुंड तथा बलि प्रथा, जोते हुए खेल (हल के साक्ष्य), अलंकृत ईंट और भू-कम्पन के प्रमाण मिले हैं।

9. मोहनजोदड़ो कहाँ स्थित है? *[RRB मुंबई/भोपाल CC 2003]*

A. उत्तर प्रदेश
B. पंजाब
C. सिंध
D. गुजरात

उत्तर- (C)

व्याख्या :- मोहन जोदड़ो पाकिस्तान के सिन्ध प्रांत का एक पुरातात्विक स्थल है। सिन्धु घाटी सभ्यता के अनेकों अवशेष यहाँ से प्राप्त हुए हैं।

All Subject Class 10 Objective Question Answer

1. Math(गणित)
2. Science(विज्ञान)
3. English(अंग्रेजी)
4. Hindi(हिंदी)
5. So. Science (सामाजिक विज्ञान)
6. Sanskrit(संस्कृत)

सिंधु घाटी सभ्यता (mcq pdf) बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर डावनलोड करें

10. हड़प्पा में एक उन्नत जल-प्रबंधन प्रणाली का पता चलता है
[46वीं BPSC 2004]

A. धौलावीरा में
B. लोथल में
C. कालीबंगन में
D. आलमगीरपुर में

ReadEsy.com

उत्तर- (A)

व्याख्या :- धौलावीरा स्थल की खुदाई से एक विशाल सैन्धवकालीन नगर के अवशेष का और एक उन्नत जल प्रबन्धन प्रणाली का पता चला है। धौलावीरा गांव खडीर द्वीप के उत्तरी- पश्चिमी किनारे पर बसा है।

11. हड़प्पा के मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः किस रंग का उपयोग हुआ था?
[40वीं BPSC 1995]

A. लाल
B. नीला-हरा
C. पांडु
D. नीला

उत्तर- (A)

व्याख्या :- हड़प्पा का पुरास्थल पाकिस्तान के साहीवाल जिले में, रावी नदी के बायें तट पर, नदी से लगभग 3.60 किमी. हटकर स्थित है। हड़प्पा से प्राप्त मिट्टी के सामान्यतः लाल रंग के हैं।

12. सिन्धु सभ्यता निम्नलिखित में से किस युग में पड़ता है?

[39वीं BPSC 1994]

A. ऐतिहासिक काल (Historical Period)
B. प्रागतिहासिक काल (Pre-Historical Period)
C. उत्तर-प्रागैतिहासिक काल (Post-Historical Period)
D. आद्य ऐतिहासिक काल (Proto-Historical Period)

उत्तर- (D)

व्याख्या :- एतिहासिक काल का निर्धारण पठनीय लेखन कला के ज्ञान के आधार पर किया जाता है। लेखन कला के ज्ञान से पहले का कालखंड प्रागैतिहासिक कालखंड होता है। भारतीय इतिहास में 2500 BC से 600 BC का कालखंड आद्य-एतिहासिक माना गया है। सैंधव सभ्यता आद्य-एतिहासिक काल की सभ्यता है, क्योंकि यहाँ पर लेखन कला का ज्ञान तो है, परन्तु अभी तक इसे पढ़ा नहीं जा सका है।

13. सिंधु घाटी सभ्यता की विकसित अवस्था में निम्नलिखित में से किस स्थल में घरों में कुँओं के अवशेष मिले हैं?
[UPPCS 2004]

A. हडपा
B. कालीबंगा
C. लोथल
D. मोहनजोदड़ो

उत्तर- (D)

व्याख्या :- मोहन जोदड़ो की जल निकास प्रणाली अद्‌भुत थी। लगभग हर नगर के हर छोटे या बड़े मकान में प्रांगण और स्नानागार होता था। कालीबंगां के अनेक घरों में अपने-अपने कुएं थे। घरों का पानी बहकर सड़कों तक आता जहां इनके नीचे मोरियां (नालियां) बनी थीं। अक्सर ये मोरियां ईंटों और पत्थर की सिल्लियों से ढकीं होती थीं।

RealEsy.com

14. सिंधु घाटी सभ्यता को खोज निकालने में जिन दो भारतीय का नाम जुड़ा है
[CPSC 2003]

A. दयाराम साहनी एवं राखालदास बनर्जी
B. जान मार्शल एवं ईश्वरी प्रसाद
C. आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव एवं रंगनाथ राव
D. माधोस्वरूप वत्स एवं वी० बी० राव

उत्तर- (A)

व्याख्या :- सिंधु घाटी सभ्यता को खोज निकालने में जिन दो भारतीयों का नाम जुड़ा है ,वे हैं. राखालदास बनर्जी तथा दयाराम सहानी।

15. रंगपुर जहाँ हड़प्पा की समकालीन सभ्यता थी, है -

[RAS/RTS 1999-2000]

A. पंजाब में
B. उत्तर प्रदेश में
C. सौराष्ट्र में
D. राजस्थान में

उत्तर- (C)

व्याख्या :- सौराष्ट्र भारत के गुजरात प्रान्त का एक उपक्षेत्र है जो ज्यादातर अर्धमरुस्थलीय है। सौराष्ट्र, वर्तमान काठियावाड़-प्रदेश, जो प्रायद्वीपीय क्षेत्र है।

16. सिंधु सभ्यता में वृहत् स्नानागार पाया गया है *[RRB कोलकाता ASM/GG 2005]*

A. हड़प्पा में
B. मोहनजोदड़ो में
C. लोथल में
D. कालीबंगा में

उत्तर- (B)

व्याख्या :- मोहनजोदड़ो से प्राप्त वृहत स्नानागार एक प्रमुख स्मारक है, जिसके मध्य स्थित स्नानकुंड 11.48 मीटर लंबा 7.01 मीटर चौड़ा एवं 2.43 मीटर गहता है।

17. सिंधु सभ्यता की मुद्रा में किस देवता के रामतुल्य चित्रांकन मिलता है? *[RRB गोरखपुर ASM/GG 2005]*

A. आद्य शिव
B. आद्य ब्रह्मा
C. अद्य विष्णु
D. आद्य इन्द्र

उत्तर- (A)

ReadEsy.com

व्याख्या :- कुछ मुहरों पर एक आकृति जिसे पालथीमार कर योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया हैऔर कभी-कभी जिसेजानवरों से घिरा दिखाया गया है, को आद्य शिव, अर्थात हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक का आरंभिक रूप की संज्ञा दी गई है।

18. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पाकालीन स्थल गुजरात में था ?
[RRB रांची Tech. 2005]

A. कालीबंगा
B. रोपड़
C. वणावली
D. लोथल

उत्तर- (D)

व्याख्या :- लोथल प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों में से एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर है। लगभग 2400 ईसापूर्व पुराना यह शहर भारत के राज्य गुजरात के भाल क्षेत्र में स्थित है। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थल है।

19. मोहनजोदड़ो को किस एक अन्य नाम से भी जाना जाता है ?
[RRB मुंबई/भोपाल Tech. 2004, SSC MP JEE 2014]

A. जीवितों का टीला (Mound of Living)
B. कंकालों का टीला (Mound of Skeletons)
C. दासों का टीला (Mound of Slaves)
D. मृतकों का टीला (Mound of Dead)

उत्तर- (D)

व्याख्या :- मोहनजोदड़ो को 'सिंध का बाग', 'मुर्दों का टीला' तथा 'नखलिस्तान' भी कहा जाता है।

20. हड़प्पा सभ्यता का प्रचलित नाम है।

A. सिंधु सभ्यता
B. लोथल सभ्यता
C. सिन्धु घाटी की सभ्यता
D. मोहनजोदड़ो की सभ्यता

उत्तर- (D)

व्याख्या :- हड़प्पा सभ्यता का प्रचलित नाम सिन्धु घाटी की सभ्यता है। इस सभ्यता को 1921 में सर्वप्रथम हड़प्पा नामक स्थान पर ही दयाराम साहनी की देखरेख में खुदाई के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की गई थी।

21. सैंधव स्थलों के उत्खनन से प्राप्त मुहरों पर निम्नलिखित में से किस पशु का सर्वाधिक उत्कीर्णन हुआ है?

A. शेर
B. घोड़ा
C. बैल
D. हाथी

ReadEsy.com

उत्तर- (C)

व्याख्या :- कुबङवाला बैल का चित्रांकन मोहरों पर अधिक मिलता है तथा एकश्रृंगी बैल का चित्र भी मिलता है। जो पशुपूजा की ओर संकेत करते हैं।

22. सिंधु घाटी सभ्यता जानी जाती है।

A. अपने नगर नियोजन के लिए
B. मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के लिए
C. अपने कृषि संबंधी कार्यों के लिए
D. अपने उद्योगों के लिए

उत्तर- (A)

व्याख्या :- सिंधु सभ्यता सैंधवकालीन नगरीय सभ्यता थी. सैंधव सभ्यता से प्राप्त परिपक्व अवस्था वाले स्थलों में केवल 6 को ही बड़े नगरों की संज्ञा दी गई है. ये हैं: मोहनजोदड़ों, हड़प्पा, गणवारीवाला, धौलवीरा, राखीगढ़ और कालीबंगा

23. सिंधु सभ्यता का कौन-सा स्थान भारत में स्थित है?

A. हड़प्पा
B. मोहनजोदड़ो
C. लोथल
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (C)

व्याख्या :- लोथल प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों में से एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर है। लगभग 2400 ईसापूर्व पुराना यह शहर भारत के राज्य गुजरात के भाल क्षेत्र में स्थित है।

24. कैलेण्डर में वि. सं. 2063 लिखा हुआ है तो शके (शक संवत) क्या होगा?
[RPSC - 2011]

A. 1908 शाके
B. 1918 शाके
C. 1928 शके
D. 1938 शाके

उत्तर- (C)

व्याख्या :- विक्रम संवत व शक संवत में आपस में अंतर 57 + 78 = 135 वर्ष का अंतर है। अत: 2063-135 = 1928

25. पुरातत्व में स्तर-विन्यास पद्धति (Stratigraphy) निम्नलिखित में किसको समझने के लिए प्रयुक्त की जाती है?
[UPSC - 2011]

A. किसी संस्कृति के विस्तार की सीमा
B. भौतिक अवशेष के क्रमिक निक्षेप
C. बस्ती निवासियों के शारीरिक लक्षण

ReadEsy.com

D. दुधारू पशुओं की सांख्यिक सम्पति

उत्तर- (A)

व्याख्या :- किसी भी पुरातात्विक स्थल का उत्खनन स्तर-विन्यास के सिद्धांत पर आधारित है। इस तिथि निर्धारण पद्धति का मूल सिद्धांत यह है कि सभी जीवित प्राणी (इनमें पेड़-पौषे भी शामिल है) वायुमंडल से रेडियोधर्मी कार्बन, 'कार्बन-14' ग्रहण करते हैं। जब प्राणी की मृत्यु हो जाती है तब एक ज्ञात दर के अनुसार रेडियोधर्मी कार्बन का क्षय होता है, जिससे वह सामान्य कार्बन 'कार्बन-12' में बदल जाता है। अत: किसी प्राचीन वस्तु में बचे हुए रेडियोधर्मी कार्बन के परिणाम की गणना करके यह हिसाब लगाना सम्भव हो जाता है कि वह कितने वर्ष पूर्व जीवित प्राणी का अंश था।

26. कार्बन - 14 तिथि - निर्धारण पद्धति का विकास किया-

A. हेरोडोटस ने
B. हीगेल ने
C. वी. ए. स्मिथ ने
D. विलर्ड लिब्बी ने

उत्तर- (D)

व्याख्या :- रेडियोकार्बन तिथि निर्धारण : सन 1949 में रसायनशास्त्री विलर्ड लिबी के द्वारा रेडियोकार्बन विधि का आविष्कार किया गया। पुरातत्व में सबसे अधिक उपयोग होता है।

27. हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो की पुरातात्विक खुदाई के प्रभारी थे
[RAS/RTS 1998]

A. लार्ड मैकाले
B. सर जान मार्शल
C. लार्ड क्लाइव
D. कर्नल टाड

उत्तर- (B)

व्याख्या :- सर जॉन हुबर्ट मार्शल (19 मार्च 1876, चेस्टर, इंग्लैण्ड - 17 अगस्त 1958, गिल्डफोर्ड, इंग्लैण्ड) 1902 से 1928 तक भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक थे।

28. हड़प्पावासी किस धातु से परिचित नहीं थे?

A. सोना एवं चांदी
B. तांबा एवं कांसा
C. टीन एवं सीसा
D. लोहा

उत्तर- (D)

व्याख्या :- हड़प्पा सभ्यता एक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। यहां से तांबा, कांसा, स्वर्ण और चांदी आदि धातुएं तो मिली हैं परंतु लोहे की प्राप्ति नहीं हुई है। वस्तुत: हड़प्पाकालीन लोग लोहे से परिचित नहीं थे। भारत में लौह युग का प्रारंभ उत्तर वैदिक काल (लगभग 1000 ई.पू.) से माना जाता है।

ReadEsy.com

29. निम्नलिखित में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से युगल शवाधान का साक्ष्य मिला है
[UPPCS (M), 2016]

A. कुन्तासी
B. धोलावीरा
C. लोथल
D. कालीबंगन

उत्तर- (C)

व्याख्या :- लोथल से बंदरगाह, युगल, शवाधान, हवनकुंड, चावल, फारस की मोहर आदि का प्रमाण मिलता है।

30. कपास का उत्पादन सर्वप्रथम सिन्धु क्षेत्र में हुआ, जिसे ग्रीक या यूनान के लोग किस नाम से पुकारा ?

A. सिन्डन (Sindon)
B. कॉटन (Cotton)
C. 'a' एवं 'b' दोनों
D. हड़प्पा

उत्तर- (A)

व्याख्या :- सबसे पहले कपास पैदा करने का श्रेय सिंधु सभ्यता के लोगों को है, इसलिए यूनान के लोग कपास को सिन्डन (sindon) कहने लगे जो सिंधु शब्द से निकला है।

31. हड़प्पा के काल का ताँबे का रथ किस स्थान से प्राप्त हुआ है ?
[CgPSC(P), 2013]

A. कुणाल
B. राखीगढ़ी
C. दैमावाद
D. बणावली

उत्तर- (C)

व्याख्या :- हड़प्पाकालीन ताम्र रथ दैमाबाद से प्राप्त हुआ है। यह पुरास्थल महाराष्ट्र प्रान्त में स्थित है।

32. हड़प्पावासी किन-किन धातुओं का आयात करते थे ? उत्तर कूट में दें -

कूट :
1. चाँदी
2. टिन
3. सोना

A. 1, 2 एवं 3
B. 1 एवं 2
C. 1 एवं 3
D. 2 एवं 3

उत्तर- (A)

ReadEsy.com

व्याख्या :- इस समय तांबे में टिन मिलाकर कांसा तैयार किया जाता था। तांबा राजस्थान के खेतड़ी से, टिन अफ़गानिस्तान से मंगाया जाता था।
1- टिन अफ़गानिस्तान, ईरान
2- ताँबा = खेतड़ी, राजस्थान, बलूचिस्तान
3- चांदी = ईरान, अफ़गानिस्तान
4- सोना = अफ़गानिस्तान, फ़ारस, दक्षिणी भारत
5- लाजवर्द = मेसापोटामिया
6- सेलखड़ी = बलूचिस्तान, राजस्थान, गुजरात
7- नीलरत्न = बदख्शां
8- नीलमणि = महाराष्ट्र
9- हरितमणि = दक्षिण एशिया
10- शंख एवं कौड़ियां = सौराष्ट्र, दक्षिणी भारत
11- सीसा = ईरान, अफ़ग़ानिस्तान, राजस्थान
12- शिलाजीत = हिमालय क्षेत्र

33. हड़प्पावासी लाजवर्द-Lapislazuli- (भवन निर्माण की सामग्री) का आयात कहाँ से करते थे ?

A. हिन्दुकुश क्षेत्र के बदख्शां से
B. ईरान से
C. दक्षिण भारत से
D. बलूचिस्तान से

उत्तर- (A)

व्याख्या :- लाजवर्द या राजावर्त (Lapis lazuli) एक मूल्यवान नीले रंग का पत्थर है जो प्राचीनकाल से अपने सुन्दर नीले रंग के लिए पसंद किया जाता है। कई स्रोतों के अनुसार प्राचीन भारतीय संस्कृति में जिन नवरत्नों को मान्यता दी गई थी उनमें से एक लाजवर्द था। अफ़ग़ानिस्तान के बदख़्शान प्रान्त में कोकचा नदी कि वादी में लाजवर्द की सर-ए-संग नामक खान लगभग 3000-4000 ईसापूव से काम कर रही हैं और यहाँ पास के शोरतुगई नामक स्थान पर सिन्धु घाटी सभ्यता की एक व्यापारिक बस्ती भी मिली हैं जिसे ज़रिये सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों तक लाजवर्द पहुँचाया जाता था। लाजवर्द के कुछ स्रोत सुदूर पूर्व में साइबेरिया की बायकल झील के पास भी मिले हैं।

34. अफगानिस्तान स्थित सिंधु सभ्यता के स्थल हैं-

A. मुंडीगक
B. शोरतुग़ई
C. (a) और (b) दोनों
D. हड़प्पा

उत्तर- (C)

व्याख्या :- हिन्दुकुश पर्वतमाला के पार अफगानिस्तान में
शोरतुग़ई - यहाँ से नहरों के प्रमाण मिले है
मुंडीगक जो महत्वपूर्ण है

35. कौन-कौन से नगर सिंधु सभ्यता के बंदरगाह नगर थे ?

A. लोथल एवं सुत्कागेंडर
B. अल्लाहदीनो एवं बालाकोट

Readersy.com

C. कुनतासी
D. इनमें से सभी

उत्तर- (D)

व्याख्या :- गुजरात के लोथल के सरागवाला गाँव से 80 km दूर से हड़प्पा सभ्यता के प्रमाण मिले हैं जो अहमदाबाद जिला में भोगवा नदी पर अवस्थित है। लोथल की खोज 1953 -1956 ई0 में रंगनाथ राव द्वारा किया गया। लोथल से बंदरगाह, युगल, शवाधान, हवनकुंड, चावल, फारस की मोहर आदि का प्रमाण मिलता है। कालीबंगन - राजस्थान के गंगानगर जिला में घग्घर नहीं पर अवस्थित हैं , जिसकी खोज 1953 ई0 में वि. वी. लाल और वी. के. थापर द्वारा की गई। कालीबंगन में हवनकुंड तथा बलि प्रथा, जोते हुए खेल (हल के साक्ष्य), अलंकृत ईंट और भू-कम्पन के प्रमाण मिले हैं।

36. मोहनजोदड़ो से प्राप्त पशुपति शिव/ आद्य शिव मुहर में किन किन जानवरों का अंकन हुआ है ?

A. व्याघ्र एवं हाथी
B. गैंडा एवं भैंसा
C. हिरण
D. इनमें से सभी

उत्तर- (D)

व्याख्या :- मोहनजोदडो से प्राप्त एक शील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है। उनके चारों ओर हाथी , गैंडा , चीता एवं भैसा विराजमान है।

37. निम्न में से किस पशु की आकृति जो मुहर पर मिली है, जिससे ज्ञात होता है, कि सिंधु घाटी एवं मेसोपोटामिया की सभ्यताओं के मध्य व्यापारिक संबंध थे
[RAS/RTS 1994-95]

A. घोड़ा
B. गधा
C. बैल
D. हाथी

उत्तर- (C)

व्याख्या :- मोहनजोदडो से एक मोहर मिली है जिस पर बैल की आकृति है , इस बैल की रक्षा एक शर्प कर रहा है तथा यह बैल एक शत्रु से लड रहा है इस शत्रु की आकृति मनुष्यों की सी है। इस बैल का उस शत्रु से लडने का उद्येश्य यह है कि वह शत्रु को पवित्र वृक्ष के निकट आने से रोक सके। यह मनुष्य शायद कोई दैत्य होगा जिसको हराने की कोशिश की जा रही है।

38. सिंधु घाटी के लोग विश्वास करते थे

[RAS/RTS 1993]

A. आत्मा और ब्रह्म में
B. कर्मकाण्ड में
C. यज्ञ प्रणाली में
D. मातृशक्ति में

उत्तर- (D)

ReadEsy.com

व्याख्या :- सिंधु घाटी के लोग मातृदेवी की पूजा किया करते थे। हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो में असंख्य देवियों की मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। ये मूर्तियां मातृदेवी या प्रकृति देवी की हैं।

All Subject Class 10 Objective Question Answer

7. Math(गणित)
8. Science(विज्ञान)
9. English(अंग्रेजी)
10. Hindi(हिंदी)
11. So. Science (सामाजिक विज्ञान)
12. Sanskrit(संस्कृत)

39. निम्नलिखित में कौन-सा सिंधु स्थल समुद्र तट पर स्थित नहीं था?

A. सुरकोटड़ा
B. लोथल
C. बालाकोट
D. कोटदीजी

उत्तर- (D)

व्याख्या :- कोटदीजी – इसकी खुदाई वर्ष 1955 में एफ. ए. खान द्वारा करवाई गयी थी। यह स्थल मोहनजोदड़ो के समीप स्थित है। यह समुद्र तट के निकट नहीं है।

40. निम्नलिखित में से कौन मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत मानी जाती है?

A. विशाल अन्नागार / धान्यकोठार
B. स्तम्भ हाल
C. सभा भवन
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (A)

व्याख्या :- मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत अन्न-कोठार है। मोहनजोदड़ो का धान्यागार 45.72 मीटर लंबा तथा 22.86 मीटर चाड़ै था, जो कि वहां का सबसे बड़ा भवन था। मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार की उत्तर से दक्षिण की ओर लंबाई 11.88 मीटर तथा पूर्व से पश्चिम की ओर चाड़ैाई 7.01 मीटर थी।

41. हड़प्पाकालीन लोगों ने नगरों में घरों के विन्यास के लिए कौन-सी पद्धति अपनायी - थी ?

A. कमल पुष्प की आकृति का
B. गोलाकार आकृति में
C. ग्रीड पद्धति में
D. त्रिभुजाकार आकृति में

उत्तर- (C)

व्याख्या :- हड़प्पाकालीन लोगों ने नगरों में घरों के विन्यास के लिए सामान्यतः ग्रीड पद्धति पद्धति अपनायी थी। यहां बड़े बड़े घर, चौड़ी सड़के और बहुत सारे कुएं होना के प्रमाण मिलते हैं। यहां जल और मल निकासी के

ReadEsy.com

लिए नालियों के होने के प्रमाण भी मिलते हैं। इससे पता चलता है कि यह नगर वर्तमान के नगरों जैसे ही विकसित और भव्य थे।

42. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (प्राचीन स्थल)	सूची-II (पुरातत्वीय अवशेष)
A. लोथल	1. जूता हुआ खेत
B. कालीबंगन	2. गोदीबाड़ा (Dockyard)
C. धौलावीर	3. पकी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति
D. बनवाली	4. हड़प्पाई लिपि के बड़े आकार के दस चिन्हों वाला एक शिलालेख

A. A—1, B—2, C—3, D—4
B. A—2, B—1, C—4, D—3
C. A—1, B—2, C—4, D—3
D. A—3, B—1, C—4, D—2

उत्तर- ()

43. निम्नलिखित पशुओं में से किस एक का हड़प्पा सभ्यता में पाई मुहरों और टेराकोटा कलाकृतियों में निरूपण / अंकन नहीं हुआ था ?

A. शेर
B. हाथी
C. गैंडा
D. बाघ

उत्तर- (A)

व्याख्या :- हड़प्पा संस्कृति की मुहरों एवं टेराकोटा कलाकृतियों में शेर का चित्रण नहीं मिलता जबकि हाथी, गैंडा, बाघ, हिरन, भेड़ आदि का अंकन मिलता है।

44. किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'नृत्य मुद्रा वाली स्त्री की कांस्य मूर्ति' प्राप्त हुई है?

A. मोहनजोदड़ो से
B. कालीबंगा से
C. हड़प्पा से
D. वणावली से

उत्तर- (A)

व्याख्या :- नर्तकी यह एक कांस्य मूर्ति है जो मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई थी जो सिन्धु घाटी की सभ्यता का एक स्थल है। माना जाता है की इसे 2500 ईसापूर्व के आसपास बनाया गया होगा। मोहनजोदड़ो के एक घर से एक

ReadEsy.com

और कांस्य मूर्ति प्राप्त हुई थी जो लगभग इसी की तरह है। भिर्दाना में एक मिटटी के बर्तन पर भी नर्तकी का भित्तिचित्र मिला है। इस मूर्ति की उंचाई 10.5 सेन्टीमीटर है। यह मोहनजोदड़ो के 'एच आर क्षेत्र' में 1926 में अर्नेस्ट मैके को प्राप्त हुई थी। यद्यपि यह मूर्ति नृत्य मुद्रा में नहीं है फिर भी 'नर्तकी' इसलिये कहा गया क्योंकि इसकी सजावट से लगता है कि इसका व्यवसाय नृत्य होगा। इसके शरीर पर वस्त्र नहीं हैं किन्तु इसके एक हाथ में ऊपर तक चूड़ियाँ हैं।

45. किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'पुजारी की प्रस्तर मूर्ति' प्राप्त हुई है?

A. हड़प्पा
B. मोहनजोदड़ो
C. लोथल
D. रंगपुर

उत्तर- (A)

व्याख्या :- पुजारी की प्रस्तर मूर्ति' हड़प्पा से प्राप्त हुई है

46. किस सिंधुकालीन स्थल से एक ईट पर बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते के पंजों के निशान मिले हैं ?

A. हड़प्पा
B. मोहनजोदड़ो
C. चन्हुदड़ो
D. लोथल

उत्तर- (C)

व्याख्या :- सिन्धुकालीन स्थल चन्हूदड़ो से एक ईट पर बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते के पंजे के निशाँ मिले हैं।

47. किस हड़प्पाकालीन स्थल से प्राप्त जार पर चोंच में मछली दबाए चिड़िया एवं पेड़ के नीचे खड़ी लोमड़ी का चित्रांकन मिलता है, जो 'पंचतंत्र ' के लोमड़ी की कहानी सदृश्य है?

A. हड़प्पा
B. मोहनजोदड़ो
C. लोथल
D. रंगपुर

उत्तर- (C)

व्याख्या :- लोथल से प्राप्त एक भांड पर ही चालाक लोमड़ी की कथा अंकित है। यहाँ से ममी की आकृति भी प्राप्त हुई है।

Indus valley civilization mcq for UPSE, Railway, Banking, State PSC ,State police, SSC

48. स्वातंत्र्योत्तर भारत में सबसे अधिक संख्या में हड़पायुगीन स्थलों की खोज किस प्रांत में हुई है?

A. गुजरात
B. राजस्थान
C. पंजाब और हरियाणा
D. उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश

ReadEsy.com

उत्तर- (A)

व्याख्या :- स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक स्थल गुजरात में खोजे गए हैं।

49. सिन्धु घाटी सभ्यता जिन नदियों के तट पर बसी थी, वे थीं-
[UPPCS (Pre) 2009]

1. सिन्धु
2. चिनाब
3. झेलम
4. गंगा

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट:

A. 1 और 2
B. 1,2 और 3
C. 2, 3 और 4
D. सभी चारों

उत्तर- (B)

व्याख्या :- सिन्धु घाटी सभ्यता के अवशेष पाकिस्तान एवं भारत के पंजाब, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिमी उ. प्र., जम्मू-कश्मीर के भागों में पाए जा चुके हैं। इस सभ्यता का फैलाव उत्तर में जम्मू से लेकर दक्षिण में नर्मदा के मुहाने तक और पश्चिम में मकरान समुद्र तट से लेकर पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ तक है। सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल सुत्कागेंडोर, पूर्वी पुरास्थल आलमगीरपुर, उत्तरी पुरास्थल मांडा (कश्मीर) तथा दक्षिण पुरास्थल दैमावाद है।

50. अधिसंख्य हड़प्पा स्थल स्थित है?

[UP UPA/LDA Spl. 2006]

A. गंगा घाटी में
B. सिन्धु घाटी में
C. सरस्वती घाटी में
D. नर्मदा घाटी में

उत्तर- (B)

व्याख्या :- हड़प्पा सभ्यता के अधिकांश पुरास्थल सिन्धु घाटी में स्थित है जिनका विस्तार पाकिस्तान से लेकर भारतवर्ष तक है। सिन्धु और उसकी सहायक नदी के तट पर आज भी अनेक सिन्धु स्थल मिल रहे हैं।

51. हड़प्पा, मोहनजोदड़ो तथा कालीबंगा में दुर्ग नगर के ..... में स्थित है।
[UPPCS (Pre) Opt. History 1998]

A. पूर्व
B. पश्चिम
C. उत्तर
D. दक्षिण

ReadEsy.com

उत्तर- (B)

व्याख्या :- सैन्धव सभ्यता के नगरों में दो टीले प्राप्त हुए हैं। जहाँ दुर्ग का टीला पश्चिम से घिरे हुए हैं। यही नगर विन्यास हड़प्पा, मोहनजोदड़ो एवं कालीबंगा में भी है। केवल कालीबंगा के टीले अलग-अलग रक्षा प्राचीर से घिरे हैं।

52. हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक मान्यता प्राप्त काल है-

A. 2800 ई०पू०-2000 ई०पू०
B. 2500 ई०पू०-1750 ई०पू०
C. 3500 ई०पू०-1800 ई०पू०
D. निश्चित नहीं हो सका है

उत्तर- (B)

व्याख्या :- रेडियोकार्बन C^14 जैसी नवीन विश्लेषण-पद्धति के द्वारा सिन्धु सभ्यता का सर्वमान्य तिथि 2500 इसा पूर्व से 1750 ईसा पूर्व मानी गयी है।

53. सिंधु घाटी की सभ्यता निम्नलिखित में से किस सभ्यता के समकालीन नहीं थी?

A. मिस्र की सभ्यता
B. चीन की सभ्यता
C. मेसोपोटामिया की सभ्यता
D. ग्रीक की सभ्यता

उत्तर- (B)

व्याख्या :- सिन्धु घाटी की सभ्यता, मिस्त्र , मेसोपोटामिया एवं क्रीट सभ्यता की समकालीन थी। क्षेत्रफ़ल की दृष्टि से यह भाग मिस्त्र, मेसोपोटामिया एवं क्रीट की अपेक्षा कहीं अधिक विस्तृत था। समकालीन विश्व की कोई अन्य सभ्यता सिन्धु सभ्यता से विस्तृत नहीं थी।

54. सिंधु घाटी की सभ्यता कहाँ तक विस्तृत थी?

A. पंजाब, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर
B. राजस्थान, बिहार, बंगाल और उड़ीसा
C. पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, सिंध और बलुचिस्तान
D. पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उड़ीसा और बंगाल

उत्तर- (C)

55. सिंधु घाटी की सभ्यता में घोड़े के अवशेष कहाँ मिले हैं ?

A. सुरकोटड़ा
B. वणावली
C. मांडा
D. राखीगढ़ी

उत्तर- (A)

ReadEsy.com

13. Math(गणित)
14. Science(विज्ञान)
15. English(अंग्रेजी)
16. Hindi(हिंदी)
17. So. Science (सामाजिक विज्ञान)
18. Sanskrit(संस्कृत)

56. सिंधु घाटी स्थल कालीबंगन किस प्रदेश में है?

[SSC Mat. 1999, 2002]

A. राजस्थान में
B. गुजरात में
C. मध्य प्रदेश में
D. उत्तर प्रदेश में

उत्तर- (A)

57. निम्नलिखित में से कौन-सी फसल हड़प्पाकालीन लोगों का मुख्य खाद्यान्न नहीं था?

A. जौ
B. दालें
C. चावल
D. गेहूँ

उत्तर- (C)

व्याख्या :- गेहूँ और जौ सिंधु सभ्यता के लोगों के मुख्य खाद्यान थे। इस सभ्यता के लोगों को गेहूँ एवं जौ के अतिरिक्त कपास, खजूर, तरबूज, मटर, राई, सरसों और तिल जैसी फसलों का भी ज्ञान था। बनावली से अच्छी किस्म का जौ प्राप्त हुआ है। लोथल से आटा पीसने की पत्थर की चक्की के दो पाट मिले हैं।

58. कथन (A) ; हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ों अब विलुप्त हो गए हैं।
कारण (R) : वे उत्खनन के दौरान प्रकट हुए थे।
[UPPCS 2009]

A. A और R दोनों सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
B. A और R दोनों सही हैं किन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
C. A सही है किन्तु R गलत है
D. A गलत है किन्तु R सही है

उत्तर- (B)

व्याख्या :- वर्तमान में ये नगर मृतप्राय (विलुप्त) स्थिति में है। इस प्रकार कथन और कारण दोनों सही हैं। किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता।

59. सिन्धु घाटी की सभ्यता के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. यह प्रमुखत: लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था।
2. उस काल में भारत में कपास से वस्त्र बनाये जाते थे।

ReadEsy.com

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही हैं ?
[UPSC 2011]

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर-

व्याख्या :- यह प्रमुखत: लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था। उस काल में भारत में कपास से वस्त्र बनाये जाते थे।

60. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए : *[UPPCS (Pre) 2010]*

सूची-I (हडप्पीय स्थल)	**सूची-II (स्थिति)**
A. मांडा	1. राजस्थान
B. दायमाबाद	2. हरियाणा
C. कालीबंगा	3. जम्मू-कश्मीर
D. राखीगढ़ी	4. महाराष्ट्र

A. A—1, B—2, C—3, D—4
B. A—2, B—3, C—4, D—1
C. A—3, B—4, C—1, D—2
D. A—4, B—1, C—2, D—3

उत्तर-

व्याख्या :- मांडा - मांडा चेनाब नदी के किनारे स्थित था। दायमाबाद -दैमाबाद गोदावरी नदी की सहायक प्रवरा नदी के तट पर स्थित एक निर्जन गाँव तथा पुरातत्व स्थल है, जो कि भारत के महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर ज़िले में है। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थल है। यहां हड़प्पा सभ्यता के बहुत दिलचस्प और महत्वपूर्ण अवशेष मिले हैं। राखीगढ़ी - हरियाणा

61. हड़प्पाकालीन स्थलों में अभी तक किस धातु की प्राप्ति नहीं हुई है ? *[CgPSC(Pre), 2012]*

A. तांबा
B. स्वर्ण
C. चांदी
D. लोहा

उत्तर- D

PadEsy.com

व्याख्या :- हड़प्पा सभ्यता एक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। यहां से तांबा, कांसा, स्वर्ण और चांदी आदि धातुएं तो मिली हैं परंतु लोहे की प्राप्ति नहीं हुई है। वस्तुत: हड़प्पाकालीन लोग लोहे से परिचित नहीं थे। भारत में लौह युग का प्रारंभ उत्तर वैदिक काल (लगभग 1000 ई.पू.) से माना जाता है।

62. चन्हुदड़ो के उत्खनन का निर्देशन किया था -
[UPPCS, 2015]

A. जे. एच. मैके ने
B. सर जॉन मार्शल ने
C. आर. ई. एम. व्हीलर ने
D. सर ऑरेल स्टीन ने

उत्तर- (A)

व्याख्या :- चन्हुदड़ो की पहली बार खुदाई मार्च 1930 में एन°जी° मजुमदार ने करवाई और उसके बाद 1935-36 में अमेरीकी स्कूल ऑफ़ इंडिक एंड इरानियन तथा म्यूज़ियम ऑफ़ फाइन आर्ट्स, बोस्टन के दल ने अर्नेस्ट जॉन हेनरी मैके के नेतृत्व में करवाई।

63. निम्नलिखित में से कौन-सा एक हड़प्पा स्थल नहीं है?

[UPSC CS 2019]

A. चन्हुदड़ो
B. कोटदिजी
C. सोहगौरा
D. देसलपुर

उत्तर- (C)

व्याख्या :- सहगौरा उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश के वर्तमान गोरखपुर जिले में अवस्थित है। यहाँ पाए गए अभिलेख चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के है। साहगौरा अभिलेख में सूखे से पीड़ित प्रजा को राहत देने की बात कही गई है।

64. सिन्धु घाटी (हड़प्पा) के लिए मेसोपोटामिया रिकार्डों में निम्नलिखित में से किस शब्द का प्रयोग किया गया था ?

[NDA, 2017]

A. दिलमुन
B. मेलुहा
C. मेगन
D. फैलका

उत्तर- (B)

व्याख्या:- हड़प्पा सभ्यता में मेसोपोटामिया को 'मेलुहा' कहा गया है।

65. निम्नलिखित में से किस पदार्थ का उपयोग हड़प्पा काल की मुद्राओं के निर्माण में मुख्य रूप से किया गया था?
[SSC Mat. 2000, 2002; NET/JRF 2016]

ReaEsy.com

A. कांसा
B. सेलखड़ी (steatite)
C. ताँवा
D. लोहा

उत्तर- (B)

66. हड़प्पा सभ्यता किस युग की थी ? *[SSC Mat. 2001]*

A. कांस्य युग
B. नवपाषाण युग
C. पुरापाषाण युग
D. लौह युग

उत्तर- (A)

67. सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या था? ***[SSC Mat. 2001]***

A. व्यापार
B. पशुपालन
C. शिकार
D. कृषि

उत्तर- (A)

व्याख्या :- इस सभ्यता में किसानों और व्यापारियों का प्रभुत्व था जिसके कारण इस सभ्यता को कृषि-वाणिज्यिक सभ्यता के रूप में जाना जाता है। हड़प्पा सभ्यता में अनेक फसक की खेती होती थी,जिसमें गेहूं और जौ प्रमुख थे। चावल का प्रयोग हड़प्पा काल में सिमित मात्रा में होती थी। रंगपुर और लोथल से चावल के प्रमाण मिले हैं। हड़प्पा वासी मेसोपोटामिया में व्यापार करते थे। चांदी का प्रयोग भारत में प्रथम बार हड़प्पा वासी द्वारा किया गया।

68. हड़प्पा सभ्यता के निवासी थे
[SSC Mat. 2001]

A. ग्रामीण
B. जनजातीय
C. शहरी
D. यायावर / खानाबदोश

उत्तर- (C)

व्याख्या :- हड़प्पा शहरी सभ्यता थी। भारत का प्रथम नगरीकरण हड़प्पा सभ्यता द्वारा शुरू किया गया। भारत में द्वितीय शहरीकरण गंगाधारी में छठी शताब्दी ई. पू. में हुआ। वैदिक सभ्यता ग्रामीण सभ्यता थी। हड़प्पा अर्थव्यवस्था, कृषि अधिशेष, पशुपालन, उन्नत हस्तशिल्प तथा समृद्ध आंतरिक तथा बाध्य व्यापार पर आधारित थी।

69. सिंधु सभ्यता के घर किससे बनाए जाते थे ?
[SSC Mat. 2001; RRB गोरखपुर Tech. 2004]

A. ईंट से

Readersy.com

B. बांस से
C. पत्थर से
D. लकड़ी से

उत्तर- (A)

व्याख्या :- सिन्धु घाटी के घर मुख्यत: ईंट से बनाए जाते थे। लकड़ी का भी प्रयोग घर बनाने के लिए किया जाता था। ईंट-धुप में सुखाया हुआ आग के द्वरा पकाया प्रयोग में लाया जाता था।
ईंटों का अनुपात 4:2:1 था। ईंट का प्रयोग अनेक आकार का करते थे।

सिंधु घाटी सभ्यता (mcq pdf) बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर डावनलोड करें

70. हड़प्पावासी किस वस्तु के उत्पादन में सर्वप्रथम थे?
[SSC Mat. 2001; RRB त्रिवेंद्रम Tech. 2004]

A. मुद्राएँ
B. कांसे के औजार
C. कपास
D. जौ

उत्तर- (C)

व्याख्या :- कपास की खेती सर्वप्रथम हड़प्पा वासी द्वारा शुरू किया गया। हड़प्पावासी कपास के उत्पादन में सर्वप्रथम थे।

71. सिंधु सभ्यता का सर्वाधिक उपयुक्त नाम क्या है?

A. हड़प्पा सभ्यता
B. सिंधु सभ्यता
C. सिंधु घाटी सभ्यता
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (A)

व्याख्या :- सिंधु सभ्यता का सर्वाधिक उपयुक्त नाम हड़प्पा सभ्यता माना गया है। इस सभ्यता के लिए साधारणत: तीन नामों का प्रयोग होता है -'सिन्धु सभ्यता', 'सिन्धु घाटी की सभ्यता' और हड़प्पा सभ्यता।

72. निम्न में से कौन से लक्षण सभ्यता के लोगों का सही चित्रण करता हैं-

1. उनके विशाल महल और मन्दिर होते थे
2. वे देवियों और देवताओं दोनों की पूजा करते थे।
3. वे युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे जानेवाले रथों का प्रयोग करते थे

नीचे दिए गये कूट का प्रयोग कर सही कथन को चुनिए

A. 2
B. 1,2
C. 1,2,3
D. इनमें से कोई नहीं

ReadEsy.com

उत्तर- (A)

व्याख्या :- देवी माता या मातृ देवी की पूजा सिन्धु घाटी सभ्यता का एक विशिष्ट लक्षण था। पुरातात्विक साक्ष्यों से प्राप्त मातृदेवी की मृणमूर्तियों से इस बात का ज्ञान होता है

73. हड़प्पा सभ्यता की खोज किस वर्ष में हुई थी ?
[SSC Grad 2004]

A. 1935 ई०
B. 1942 ई०
C. 1901 ई०
D. 1921 ई०

उत्तर- (D)

व्याख्या :- हड़प्पा सभ्यता की सर्वप्रथम खोज 1921 ई0 सन में दयाराम साहनी और माधव स्वरूप वत्स द्वारा किया गया। हड़प्पा सभ्यता की खोज प्रथम स्थली हड़प्पा है, जो मोंटगोमरी जिला के पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान में) राज्य में अवस्थित है।

74. ड़प्पा सभ्यता के बारे में कौन-सी उक्ति सही है ?
[SSC Grad 1999]

A. उनकी संस्कृति सामान्यतः स्थिर नहीं थी।
B. गाय उनके लिए पवित्र थी
C. उन्हें अश्वमेध का जानकारी थी
D. उन्होंने पशुपति का सम्मान करना आरंभ किया

उत्तर- (D)

75. हड़प्पा के लोगों की सामाजिक पद्धति..... थी
[SSC Grad 1999]

A. दास-श्रमिक आधारित
B. उचित समतावादी
C. वर्ण आधारित
D. जाति आधारित

उत्तर- (B)

76. निम्नलिखित विद्वानों में से हड़प्पा सभ्यता का सर्वप्रथम खोजकर्ता कौन था ?
[SSC Mat. 1999]

A. सर जॉन मार्शल
B. दयाराम सहनी
C. ए० कनिंघम
D. आर० डी० बनर्जी

उत्तर- (B)

ReadEsy.com

व्याख्या :- हड़प्पा सभ्यता की सर्वप्रथम खोज 1921 ई0 सन में दयाराम साहनी और माधव स्वरूप वत्स द्वारा किया गया। हड़प्पा सभ्यता की खोज प्रथम स्थली हड़प्पा है, जो मोंटगोमरी जिला के पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान में) राज्य में अवस्थित है। सर जॉन मार्शल के निर्देशन में हड़प्पा सभ्यता का उत्खनन कार्य शुरू हुआ।

77. सिंधु सभ्यता का पत्तननगर (बंदरगाह) कौन-सा था ?

[SSC Mat. 1999; RRB रांची TC 2005; UPPCS 1999; 53-55वीं BPSC 2010]

A. कालीबंगन
B. लोथल
C. रोपड़
D. मोहनजोदड़ो

उत्तर- (B)

व्याख्या :- लोथल हड़प्पा सभ्यता (सिन्धु घाटी सभ्यता) पत्तन नगर (बंदरगाह) है। जिसका क्षेत्रफल 214x36x3.3 मीटर है। देसपुर और सुर्कोतड़ा बंदरगाह भी हड़प्पा सभ्यता के थे।

78. पैमानों की खोज ने यह सिद्ध कर दिया है कि सिंधु घाटी के लोग माप और तौल से परिचित थे। यह खोज कहाँ पर हुई?

[SSC Mat. 1999, CDS 1998]

A. कालीबंगन
B. हड़प्पा
C. चन्हुदडो
D. लोथल

उत्तर- (D)

व्याख्या :- पैमानों की खोज से यह सिद्ध हो गया है की हड़प्पावासी नाम - तौल से परिचित थे। यह लोथल की खोज से प्रमाणित होता है। हड़प्पावासी सोलह से गुणीज का प्रयोग अधिक करते थे। रैखिक माप के जनक हड़प्पावासी थे, जिनकी हाथ की माप इकाई थी।

79. हड़प्पाकालीन समाज किन वर्गों में विभक्त था ?

A. शिकारी, पुजारी, किसान और क्षत्रिय
B. विद्वान, योद्धा, व्यापारी और श्रमिक
C. ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र
D. राजा, पुरोहित, सैनिक और शूद्र

उत्तर- (B)

व्याख्या :- हड़प्पाकालीन समाज विद्वान, योद्धा, व्यापारी और श्रमिक वर्गों में विभक्त था।

ReadEsy.com

All Subject Class 10 Objective Question Answer

19. Math(गणित)

20. Science(विज्ञान)
21. English(अंग्रेजी)
22. Hindi(हिंदी)
23. So. Science (सामाजिक विज्ञान)
24. Sanskrit(संस्कृत)

ReadEsy.com